KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

Kalibangan (कालीबंगा)

↳ Means :- Bangle of Black colour.
(अर्थ) (काले रंग की चूड़ियां)

* Discovered in 1953.

* Discovered by — Amlanand Ghosh.
(अमलानंद घोष)
↳ B.B. Lal (बी०बी० लाल)
↳ B.K. Thapar (बी०के० थापर)

→ River :- Ghaghar (घग्घर)
(नदी)

→ Place :- Rajasthan (राजस्थान)

* Archaeological Finds :
(पुरातात्विक-प्राप्तियाँ)

- → Bangle Factory (चूड़ी कारखाना)
- ↳ Camel Bones (ऊँट की हड्डी)
- ↳ Fire Altar (अग्निवेदिका / हवन कुंड) → पहली बार मिलती है।
- ↳ Evidence of Plowed field
  (जुते हुए खेत का साक्ष्य)

- Ornate Brick (अलंकृत ईंटे)
  - (चित्र)
- बेलनाकार मुहर
- etc.

* कालीबंगा में जल निकासी प्रणाली उतना उन्नत नहीं था।

- **Dhaulavira (धौलावीरा)** –
- **खोज - आर० एस० विष्ट** (R.S. Bisht) ; Jagapati Joshi (जगपति जोशी)
- **1990-91**
- **Here huge water reservoirs, a unique inscription system, stadium, dam have been found.**
- **यहां विशाल जल भंडार, अनूठी शिलालेख प्रणाली, स्टेडियम, बांध मिले हैं।**

* Gujarat (गुजरात)

* City divided into 3 Part (शहर तीन भागों में बटा हुआ है।)

Surkotada –

- खोज- जगपति जोशी (Jagapti Joshi)
- 1964

⇒ Gujarat (गुजरात)

Archaeological Finds (पुरातात्विक प्राप्तियाँ)

- Horse bones ; Graveyard (कब्रिस्तान)
- घोड़े की हड्डियाँ

Banwali (बनवाली)

- खोज -आर॰ एस॰ विष्ट ने 1973

(Discovered by R.S. Bishta)

⇒ Place:- Hisar, Haryana.

(हिसार, हरियाणा)

⇒ River (नदी):- Rangoi (रंगोई नदी)

⇒ Evidence of Pre-Harappan Culture.

(हड़प्पा पूर्व के सभ्यता के साक्ष्य)

Archaeological Finds

- Shape of plow (in the form of toy), sesame seeds, heap of mustard, good quality barley, remains of roads, drains, beads, miniature clay idols of mother goddess, copper arrowheads, human and animal figures. Statues, chert plates, alabaster and baked clay seals etc.
- हल की आकृति (खिलौने के रूप में), तिल, सरसों का ढेर, अच्छे किस्म के जौ, सड़कों, नालियों के अवशेष, मनके, मातृदेवी की लघुमृण्मूर्तियाँ, ताँबे के बाणाग्र, मनुष्यों एवं पशुओं की मूर्तियाँ, चर्ट के फलक, सेलखड़ी एवं पकाई मिट्टी की मुहरें, आदि।

Kotdiji (कोटदीजी)

- खोज धुर्ये ने 1935 (Fazal Dhurye)
- 1955 से फजल अहमद खान (Fazal Ahmad Khan)

* Place :- Sindh, Pakistan

* River :- Indus (सिंधु)

Archaeological Finds

- Spear heads, bronze bangles, metal tools and weapons.
- Statues of bull, and mother goddess
- बाणाग्र, कांस्य की चूड़ियाँ, धातु के उपकरण तथा हथियार।
- बैल और देवी मां की मूर्तियां

रंगपुर / Rangpur — M.S. Vatsa

- खोज 1931 में एम०एस० वत्स तथा 1953 में एस०आर० राव (S.R. Rao)
- सैन्धव संस्कृति के उत्तरावस्था के दर्शन
- The later stages of Indus culture can be seen

⇒ Place:- Gujarat

⇒ River:- Mader (मादर)

- यहाँ से प्राप्त अवशेषों में न कोई मुद्रा और न ही मातृदेवी की मूर्ति प्राप्त हुई है।
- धान की भूसी के ढेर, कच्ची ईंटों के दुर्ग, नालियाँ, मृदभाण्ड, पत्थर के फलक आदि
- It is noteworthy that neither any currency nor the idol of Mother Goddess has been found in the remains recovered from here.
- Heaps of paddy straw, mud brick forts, drains, pottery, stone slabs etc.

Alamgirpur –(आलमगीरपुर) → सिंधुघाटी सभ्यता की पूर्वी सीमा।

- 1958
- Discovered by Y.D. Sharma (यज्ञ दत्त शर्मा)

* River → Hindon (हिंडन)

* Place: → Meerut, U.P.

Archaeological Finds (पुरातात्विक प्राप्तियाँ):

- broken pieces of copper, objects made of clay have been found.
- तांबे के टूटे हुए टुकड़े, मिट्टी से बनी वस्तुएं

Ropar (रोपड़)

- खोज -यज्ञदत्त शर्मा (1955-56) → Y. D. Sharma.
- यहाँ पर की गई खुदाइयों से संस्कृति के पांच स्तरीय क्रम (हड़प्पा, पेटेंड ग्रे बेअर – चित्रित धूसर मृदभाण्ड, काली पालिश वाले (मृदभाण्ड), कुषाण, गुप्त और मध्य कालीन मृदभाण्ड) प्राप्त हुए हैं।
- **Excavations done here have yielded five levels of culture (Harappan, Painted Gray Bear - Painted Gray Ware, Northern Black Polished (ware), Kushan, Gupta and Medieval Ware).**

⇒ Punjab (पंजाब)
⇒ River :- Sutlej (सतलज नदी)

Archaeological Finds :-

- Evidence of a dog buried with a human corpse and a copper ax in an oval pit has been found here.
- एक अंडाकार गड्ढे में एक मानव लाश और एक तांबे की कुल्हाड़ी के साथ दफन कुत्ते के साक्ष्य यहां मिले हैं।

Rakhigarhi (राखीगढ़ी)

- Discovered by Rafiq Mughal (रफ़ीक़ मुगल)
- Fire altars and apsidal structures, drainage systems
- अग्नि वेदियां और अपसाइडल संरचनाएं, जल निकासी प्रणाली

⇒ Hisar, Haryana.
(हिसार, हरियाणा)

⇒ सिंधु घाटी सभ्यता का भारत में स्थित सबसे बड़ा स्थान।

Other important places of IVC

- Desalpur (Gujarat), Pabumath (Gujarat), Rangpur (Gujarat) Shikarpur (Gujarat), Sanoli (Uttar Pradesh), Kunal (Haryana), Karanpura (Rajasthan), Ganeriwala (Punjab), etc.

- देसलपुर (गुजरात), पाबूमठ (गुजरात), रंगपुर (गुजरात), शिकारपुर (गुजरात), सनोली (उत्तर प्रदेश), कुणाल (हरियाणा), करनपुरा (राजस्थान), गनेरीवाला (पंजाब), मुंडीगाक, शोर्तुगुईआदि।

सिनौली (Sinauli)

→ Place:- Bagpat (बागपत)

→ Discovered in 2005 A.D.
(खोज - 2005 में)

पुरातात्विक प्राप्तियाँ (Archaeological Finds)

→ 116 कब्र
→ दो मुहा तलवार
→ रथ
→ आदि।

Sinauli